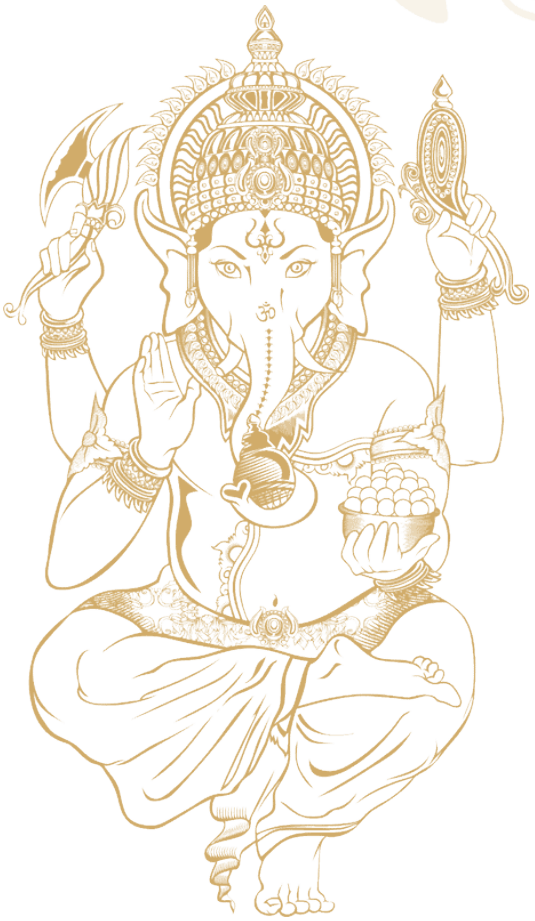

Mr.

09 Apr 2026

04:11 PM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121878406

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/04/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**16:11:00 घंटे**
इष्ट	25:03:54 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:44:20 घंटे
वेलान्तर	-00:01:37 घंटे
साम्पातिक काल	04:55:06 घंटे
सूर्योदय	06:09:26 घंटे
सूर्यास्त	18:47:36 घंटे
दिनमान	12:38:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	25:21:55 मीन
लग्न के अंश	21:18:18 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	परिघ
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धर्मेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	21:18:18	320:53:22	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			मीन	25:21:55	00:58:57	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	17:00:23	11:57:58	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
मंगल		अ	मीन	05:29:06	00:46:44	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
बुध			कुंभ	28:17:17	01:13:03	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	22:12:21	00:05:19	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	17:47:30	01:13:34	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
शनि		अ	मीन	12:22:01	00:07:22	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	13:50:25	00:01:37	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	13:50:25	00:01:37	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:55:17	00:02:52	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:17:30	00:02:12	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:06:44	00:00:45	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
दशम भाव			वृष	20:49:42	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

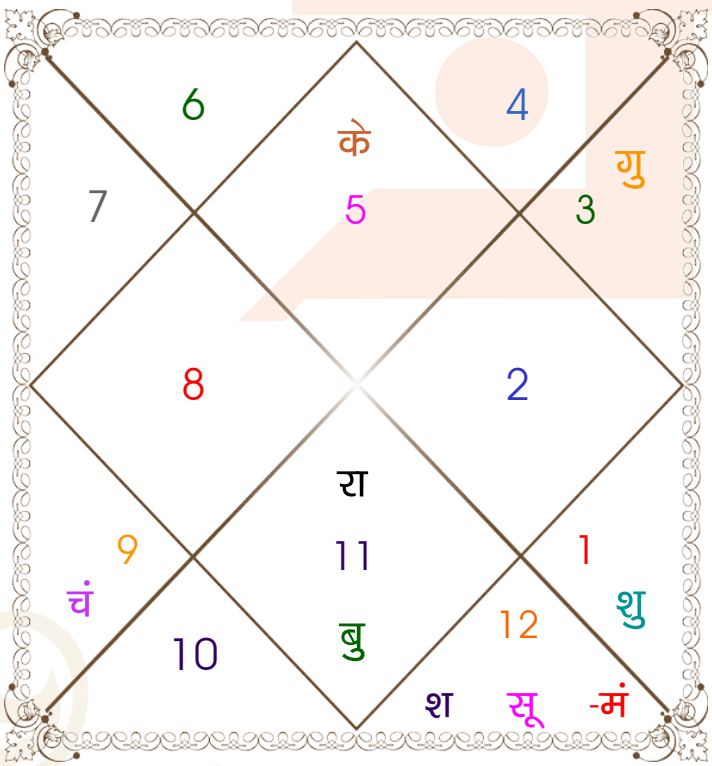

चन्द्र कुंडली

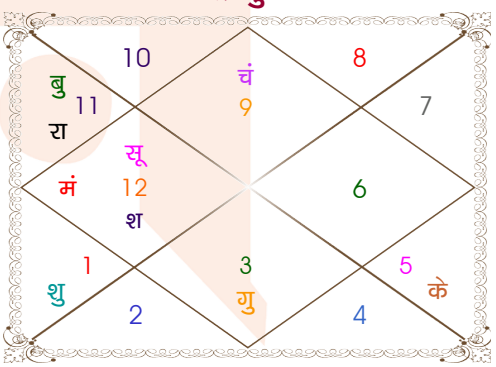

नवमांश कुंडली

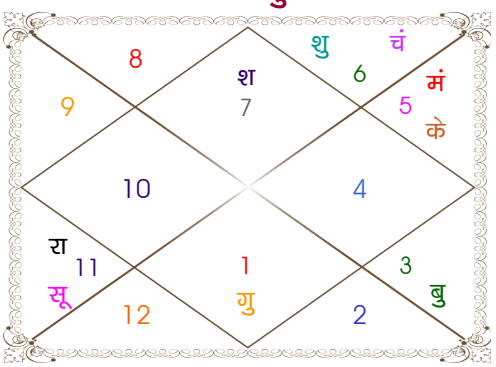

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 14 वर्ष 5 मास 26 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/04/2026		05/10/2040		05/10/2046		05/10/2056		05/10/2063	
05/10/2040		05/10/2046		05/10/2056		05/10/2063		05/10/2081	
	00/00/0000	सूर्य	22/01/2041	चंद्र	06/08/2047	मंगल	03/03/2057	राहु	18/06/2066
	09/04/2026	चंद्र	24/07/2041	मंगल	06/03/2048	राहु	21/03/2058	गुरु	10/11/2068
चंद्र	05/10/2026	मंगल	29/11/2041	राहु	05/09/2049	गुरु	25/02/2059	शनि	17/09/2071
मंगल	05/12/2027	राहु	23/10/2042	गुरु	05/01/2051	शनि	05/04/2060	बुध	06/04/2074
राहु	05/12/2030	गुरु	12/08/2043	शनि	05/08/2052	बुध	02/04/2061	केतु	24/04/2075
गुरु	05/08/2033	शनि	24/07/2044	बुध	04/01/2054	केतु	29/08/2061	शुक्र	24/04/2078
शनि	05/10/2036	बुध	30/05/2045	केतु	05/08/2054	शुक्र	30/10/2062	सूर्य	19/03/2079
बुध	06/08/2039	केतु	05/10/2045	शुक्र	05/04/2056	सूर्य	06/03/2063	चंद्र	16/09/2080
केतु	05/10/2040	शुक्र	05/10/2046	सूर्य	05/10/2056	चंद्र	05/10/2063	मंगल	05/10/2081

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/10/2081		05/10/2097		06/10/2116		06/10/2133		06/10/2140	
05/10/2097		06/10/2116		06/10/2133		06/10/2140		00/00/0000	
गुरु	23/11/2083	शनि	09/10/2100	बुध	04/03/2119	केतु	04/03/2134	शुक्र	05/02/2144
शनि	05/06/2086	बुध	19/06/2103	केतु	01/03/2120	शुक्र	04/05/2135	सूर्य	04/02/2145
बुध	10/09/2088	केतु	28/07/2104	शुक्र	30/12/2122	सूर्य	09/09/2135	चंद्र	10/04/2146
केतु	17/08/2089	शुक्र	27/09/2107	सूर्य	06/11/2123	चंद्र	09/04/2136		00/00/0000
शुक्र	17/04/2092	सूर्य	08/09/2108	चंद्र	06/04/2125	मंगल	05/09/2136		00/00/0000
सूर्य	03/02/2093	चंद्र	10/04/2110	मंगल	04/04/2126	राहु	24/09/2137		00/00/0000
चंद्र	05/06/2094	मंगल	19/05/2111	राहु	21/10/2128	गुरु	31/08/2138		00/00/0000
मंगल	12/05/2095	राहु	25/03/2114	गुरु	27/01/2131	शनि	10/10/2139		00/00/0000
राहु	05/10/2097	गुरु	06/10/2116	शनि	06/10/2133	बुध	06/10/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 14 वर्ष 5 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।